रागविराग और रामविलास शर्मा

शिवाजी

कुशल आलोचक, सम्पादक एवं सशक्त व्याख्याता रामविलास शर्मा जी ने अपने युग के क्रांतिकारी, उन्मुक्त कवि, कथाकार एवं निबन्धकार सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला'' की महत्त्वपूर्ण एवं संवेदनात्मक कविताओं का संग्रह, सम्पादन, एवं व्याख्या कर एक बहुत ही बड़ा अतुलनीय योगदान हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में दिया है। शर्मा जी ने निराला की साहित्य साधना की अत्यन्त अतल गहराई की छानबीन कर एक सराहनीय कार्य किया है।

रामविलास शर्मा जी ने निराला जी की रचनाओं (कविताओं) का संकलन ''रागविराग'' शीर्षक से किया है जो उनकी मौतिक सोच की ही उद्‌भावना है। इसके सम्पादन में निराला जी ने जिस नाम का सम्बोधन किया है वह वास्तव राग यानी लगाव (रूचि) तथा विराग विरक्ति या अरूचि, अलगाव एक सार्थक तथा महान सोच है।